

## बी.पी.एस.सी. - प्रकृति एवं प्रक्रिया

### परिचय (Introduction):

सविलि सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिये बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.), पटना द्वारा आयोजित परीक्षाएँ भी आकर्षण का केंद्र होती हैं। प्रश्नों की प्रकृति एवं प्रक्रिया में सूक्ष्म अंतर होने के बावजूद यू.पी.एस.सी. के प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम के अध्ययन की बी.पी.एस.सी की परीक्षा में सार्थक भूमिका होती है इसलिये यू.पी.एस.सी. की तैयारी कर रहे छात्र इस परीक्षा में भी सफल हो रहे हैं।

### परीक्षा की प्रकृति:

बी.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित इस प्रतियोगी परीक्षा में सामान्यतः क्रमवार तीन स्तर सम्मिलित हैं-

1. प्रारंभिक परीक्षा - वस्तुनिष्ठ प्रकृति
2. मुख्य परीक्षा - वर्णनात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकृति
3. साक्षात्कार - मौखिक

### परीक्षा की प्रक्रिया :

#### प्रारम्भिक परीक्षा की प्रक्रिया:

- सर्वप्रथम आयोग द्वारा परीक्षा संबंधित विज्ञापित जारी की जाती है, उसके पश्चात् ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू होती है। फॉर्म भरने की प्रक्रिया संबंधित वसितृत जानकारी 'विज्ञापित' के अंतर्गत 'ऑनलाइन आवेदन कैसे करें?' शीर्षक में दी गई होती है।
- विज्ञापित में उक्त परीक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं का वसितृत विवरण दिया गया होता है। अतः फॉर्म भरने से पहले इसका अध्ययन करना लाभदायक रहता है।
- फॉर्म भरने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सामान्यतः 3 से 4 माह पश्चात् प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जाती है।
- प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन आयोग द्वारा निर्धारित राज्य के विभिन्न केंद्रों पर संपन्न होती है।
- आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा की प्रकृति वस्तुनिष्ठ होती है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न के लिये दिये गए पाँच संभावित विकल्पों (a, b, c, d और e) में से एक सही विकल्प का चयन करना होता है।
- प्रश्न से संबंधित इस चयनित विकल्प को आयोग द्वारा दिये गए ओएमआर सीट में उसके सममुख दिये गए संबंधित गोले (सर्कल) में उचित स्थान पर काले या नीले बॉल पॉइंट पेन से भरना होता है।
- वर्तमान में आयोग की इस प्रारंभिक परीक्षा में अन्य राज्यों से भिन्न केवल एक प्रश्न-पत्र सामान्य अध्ययन (वस्तुनिष्ठ) से प्रश्न पूछे जाते हैं, जिसमें प्रश्नों की कुल संख्या- 150 एवं अधिकतम अंक-150 निर्धारित है। इसका उत्तर अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा निर्धारित दो घंटे की समय सीमा में देना होता है।
- इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये सामान्यतः 60-70% अंक प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, कनिष्ठ कभी-कभी प्रश्नों के कठिनाई स्तर को देखते हुए यह प्रतिशत कम भी हो सकता है।
- प्रश्नपत्र दो भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) में दिये गए होते हैं। प्रश्न की भाषा संबंधी किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी भाषा में छपे प्रश्नों को वरीयता दी जाएगी।
- प्रारंभिक परीक्षा की प्रकृति क्वालिफाइंग होती है। इसमें प्राप्त अंकों को मुख्य परीक्षा या साक्षात्कार के अंकों के साथ नहीं जोड़ा जाता है।

#### प्रारम्भिक परीक्षा में बदलाव क्या?

- परीक्षा प्रक्रिया में संशोधन करके 68वीं BPSC की प्रारंभिक परीक्षा से गलत उत्तर के लिये नगटवि मार्कगि (एक चौथाई - 1/4 या 0.25 अंक) का प्रावधान किया गया है।
- यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देता है, तो उस उत्तर को गलत माना जाएगा।
- प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र, प्रश्न संख्या, अंकों के वितरण इत्यादि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। पाठ्यक्रम संबंधित वसितृत विवरण के लिये पाठ्यक्रम शीर्षक का अध्ययन करें।

- अब इस परीक्षा के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिये चुने जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कुल संसूचित रिक्रतियों की दस गुना होगी (पूर्व में यह संख्या प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थिति कुल अभ्यर्थियों की संख्या का लगभग 10% होती थी)।

## मुख्य परीक्षा की प्रक्रिया:

- प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों के लिये मुख्य परीक्षा का आयोजन पटना में आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न केंद्रों पर किया जाता है।
- मुख्य परीक्षा की प्रकृति वर्णनात्मक एवं वस्तुनिष्ठ होती है। इसमें प्रश्नों के उत्तर को आयोग द्वारा दी गई उत्तर-पुस्तिका में लिखना एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों के उत्तर को OMR सीट में भरना होता है।
- मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र दो भागों (अनविर्य एवं वैकल्पिक) में विभाजित हैं।
- अनविर्य वषियों में- सामान्य अध्ययन के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्र तथा नबिध के प्रश्नपत्र शामिल हैं।
- सामान्य हन्दि के प्रश्नपत्र को क्वालफाइंग प्रकृति का कर दिया गया है।
- वैकल्पिक वषिय में- अभ्यर्थी द्वारा वजिज्पत्त के दौरान उसमें दिये गए वषियों में से चयनित एक वैकल्पिक वषिय शामिल है (पूर्व में दो वैकल्पिक वषियों का चयन करना होता था)। वर्तमान में वैकल्पिक वषिय के प्रश्नपत्र को क्वालफाइंग प्रकृति का कर दिया गया है।
- मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक वषियों का स्टैंडर्ड लगभग वही होगा जो पटना विश्वविद्यालय के तीन वर्षीय ऑनर्स परीक्षा का है।
- मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक वषियों का एक बार किया गया चुनाव अंतिम होगा जो किसी भी दशा में बदला नहीं जाएगा।

## मुख्य परीक्षा में बदलाव क्या?

- पूर्व में मुख्य परीक्षा कुल 1200 अंकों (क्वालफाइंग सामान्य हन्दि के प्रश्नपत्र को छोड़कर) का होता था जो वर्तमान संशोधन के अनुसार कुल 900 अंकों (क्वालफाइंग सामान्य हन्दि के प्रश्नपत्र को छोड़कर) का होगा।
- मुख्य परीक्षा के दृष्टिकोण से पूर्व की परीक्षा संरचना में आंशिक संशोधन किया गया है, जो इस प्रकार है-

### अनविर्य वषियों में संशोधन:

#### सामान्य हदी-

- सामान्य हन्दि में 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। जिसकी प्रकृति वर्णनात्मक होगी। यह प्रश्नपत्र केवल क्वालफाइंग होगा जिसमें 30% लब्धांक प्राप्त करना अनविर्य होगा।
- जो अभ्यर्थी सामान्य हन्दि वषिय की लिखित परीक्षा में कम से कम 30% अंक प्राप्त नहीं करते हैं, वे योग्यता प्राप्त नहीं समझे जाएंगे।
- सामान्य हन्दि वषिय के प्राप्तांक मात्र अरहति होने के लिये हैं, इन अंकों को मेरिट लिस्ट में नहीं जोड़ा जाता है।
- सामान्य हन्दि वषिय के पाठ्यक्रम का वसित्त वविरण आयोग द्वारा जारी वजिज्पत्त के अंतरगत पाठ्यक्रम शीर्षक में दिया गया है।

#### सामान्य अध्ययन-

- पूर्व में सामान्य अध्ययन के दोनों प्रश्नपत्रों (प्रथम प्रश्नपत्र एवं द्वितीय प्रश्नपत्र) का पूर्णांक 200-200 अंकों का होता था जिसकी परीक्षा आयोग द्वारा निर्धारित तिथि को एक ही दिन दो पालियों में तीन-तीन घंटे की समयावधि में संपन्न होती थी।
- नवीनतम वजिज्पत्त के अनुसार सामान्य अध्ययन के दोनों प्रश्नपत्रों (प्रथम प्रश्नपत्र एवं द्वितीय प्रश्नपत्र) का पूर्णांक 300-300 अंकों का होगा जिसकी परीक्षा आयोग द्वारा निर्धारित तिथि को एक ही दिन दो पालियों में तीन-तीन घंटे की अवधि में संपन्न होगी।
- पूर्व की भाँति ही इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त किये गए अंक मेधा सूची में जोड़े जाएंगे।

#### नबिध

- हाल ही में बी.पी.एस.सी. द्वारा 68वीं मुख्य परीक्षा से नबिध के प्रश्नपत्र को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।
- यह प्रश्नपत्र 300 अंको का होगा, इन अंको को मेधा सूची के निर्धारण में शामिल किया जाएगा।
- इस प्रश्नपत्र के अंतरगत 3 खंडों में (प्रत्येक में चार-चार नबिध के प्रश्न रहेंगे) से प्रत्येक खंड से एक-एक नबिध अर्थात् कुल तीन नबिध लिखने होंगे।
- पहले और दूसरे खंड का नबिध यूपीएससी पैटर्न पर आधारित होगा जबकि तीसरे खंड का नबिध बहिर ओरिएटेड वषिय पर आधारित होगा।

#### वैकल्पिक वषिय-

- पूर्व की परीक्षा संरचना में परीक्षा के इस चरण के लिये अभ्यर्थियों को वजिज्पत्त में दिये गए वषियों में से एक वैकल्पिक वषिय का चयन करना होता था, जिसके लिये 300 अंक निर्धारित था।
- 68वीं BPSC से संशोधन करके परीक्षा के इस चरण के लिये अभ्यर्थियों को वजिज्पत्त में दिये गए वषियों में से केवल एक वैकल्पिक वषिय का चयन करना होगा जो वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा, जिसके लिये 100 अंक निर्धारित किया गया है एवं परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। अब वैकल्पिक वषिय प्रश्नपत्र मात्र क्वालफाइंग होगा।

**नोट:** वर्तमान में संशोधन करके सामान्य अध्ययन एवं नबिंध में प्राप्त किये गए अंकों के योग के आधार पर मेधा सूची तैयार की जाएगी। इसमें सफल हुए अभ्यर्थी आयोग के समक्ष साक्षात्कार के लिये आमंत्रित किये जाएंगे।

- किसी भी अभ्यर्थी द्वारा उपरोक्त सभी वषियों के उत्तर हिनदी (देवनागरी), अंगरेजी या उरदू लपिमें से किसी एक भाषा में दयि जा सकते हैं। अन्य भाषा में उत्तर देने की छूट नही होगी।
- उत्तर देने के क्रम में केवल तकनीकी शब्दों, वाक्यांशों, उदधरति अंशों का उक्त चुनी गई भाषा के साथ अंगरेजी रूपांतरण भी दयि जा सकता है।
- अभ्यर्थी को अपने प्रश्नपत्र के उत्तर स्वयं अपने हाथ से लखिने होंगे। किसी भी परस्थितिमें इसके लयि किसी अन्य व्यक्तिकी सहायता लेने की अनुमति नही दी जाएगी।
- परीक्षा के सभी वषियों में कम से कम शब्दों में की गई संगठति, सूक्ष्म और सशक्त अभवियक्ति को श्रेय मलिगा।
- अभ्यर्थी यदि चाहे तो मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के प्रथम प्रश्नपत्र में सांख्यिकी वशिलेण, आरेखन और चतिरण के प्रश्नों को हल करने के लयि साधारण कैलकुलेटर का प्रयोग कर सकता है (प्रारंभिक परीक्षा में कैलकुलेटर का प्रयोग वर्जति है)।
- कोई भी अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के अंतिम परीक्षाफल की घोषणा की तथिसे 60 दिनों के अंदर 5 रूपये प्रती वषिय की दर से भारतीय पोस्टल ऑर्डर (आईपीओ) के रूप में जमा कर के प्राप्तांकों के जोड़ की शुद्धता की जाँच करा सकता है।

## साक्षात्कार की प्रक्रया:

- मुख्य परीक्षा में चयनति अभ्यर्थियों को सामान्यतः एक माह पश्चात् आयोग के समक्ष साक्षात्कार के लयि उपस्थति होना होता है।
- साक्षात्कार के दौरान अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व का परीक्षण कयिा जाता है जसिमें आयोग के सदस्यों द्वारा आयोग में नरिधारति स्थान पर मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं। इसका उत्तर अभ्यर्थी को मौखिक रूप से देना होता है। यह प्रक्रया अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार एक से अधिक दिनों तक चलती है।
- मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त कयिे गए अंकों के योग के आधार पर अंतिम रूप से मेधा सूची (मेरटि लसिट) तैयार की जाती है।
- आरक्षी सेवा तथा उत्पाद नरििक्षक के लयि एनसीसी प्रशक्तिण प्रमाण-पत्र प्राप्त अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में लाभ (वेटेज) दयिा जाता है।
- सम्पूर्ण साक्षात्कार समाप्त होने के सामान्यतः एक सप्ताह पश्चात् अन्तिम रूप से चयनति अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाती है।

## साक्षात्कार में बदलाव क्या ?

- साक्षात्कार में बदलाव केवल अंकों के स्तर पर कयिा गया है।
- पूर्व में साक्षात्कार के लयि 150 अंक नरिधारति था।
- वर्तमान संशोधन के अनुसार साक्षात्कार के लयि 120 अंक नरिधारति कयिे गए हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bpsc-nature-and-process>

